'शकुंतला विश्वविद्यालय को मिले विशेष दर्जा'

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर खिलाड़ी पुरस्कृत, सेंटर फार एक्सीलेंस बनाने का दोहराया संकल्प

डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के दौरान छात्र को सम्मानित करतीं डा. शरणजीत कौर, साथ में कुलपति आचार्य संजय सिंह व सांस्कृतिक प्रस्तुति देतीं छात्राएं • जागरण

जासं • लखनऊ: डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का 17 वां स्थापना दिवस समारोह अटल प्रेक्षागृह में मनाया गया। इस दौरान खिलाड़ियों और विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डा. शरणजीत कौर ने दिव्यांग छात्रों के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहे विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि इसके लिए शिक्षकों और विश्वविद्यालय को स्पेशल स्टेटस मिलना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि मेरी आंखों में समावेशी समाज का सपना था। मैं इसे यहां पूरा होते देख रही हूं। इस संस्थान को पूरे मेंटर के लिए तैयार रहना है। कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि मैंने स्वयं अपनी आंखें बंद कर चलने और टेलीविजन की आवाज बंद करके मूक दृश्यों को समझने की चेष्टा की। तब समझ आया कि दिव्यांग विद्यार्थियों को किस मुश्किल से गुजरना पड़ता है। उन्होंने विश्वविद्यालय को दिव्यांगता के क्षेत्र में सेंटर फार एक्सीलेंस बनाने का संकल्प दोहराया।

अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह ने विश्वविद्यालय के 16 वर्ष के सफर को याद किया। समारोह में प्रो. पी राजीव नयन, रजिस्ट्रार रोहित सिंह ने भी संबोधित किया। संचालन डा. कौशिकी सिंह ने किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

खिलाड़ियों और विद्यार्थियों का सम्मान: विभिन्न खेलों में विश्वविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर रहे अबू हुबैदा, रुचि त्रिवेदी, मनदीप कौर, स्वाति को पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले रति मिश्रा, शशांक कुमार, सर्वेश, संजना कुमारी, हामिद सलमानी, आफरीन बनो , कनक सिंह जादौन , प्रेमा विश्वास, शयाजुद्दीन अहमद को पुरस्कृत किया गया। राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले ज्ञान प्रकाश, बिलाल, सोनिका देवी, ममता, अभिनय कुमार, हिमांशु भट्ट, प्रदीप कुमार वर्मा को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा हिंदी दिवस पर आयोजित निबंध, भाषण प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

हिन्दुस्तान

'शकुंतला विश्वविद्यालय और शिक्षकों को विशेष दर्जा दिया जाए'

लखनऊ, संवाददाता। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में 17वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डॉ. शरणजीत कौर रहीं। उन्होंने कहा कि मेरी आंखों में समावेशी समाज का सपना था। इस विश्वविद्यालय में वह सपना पूरा होते देख रही हूं। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय स्पेशल लोगों के लिए काम कर रहा है। इसके लिए शिक्षकों और समूचे विश्वविद्यालय को विशेष दर्जा मिलना चाहिए।

कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य संवेदना, सेवा और सहयोग है। संवेदना आपको सिखाती है कि आप दूसरों के दर्द व कष्ट को समझें। सेवा आपको सिखाती है कि आप समाज के लिए कुछ करें। सहयोग आपको यह सिखाता है कि हम सभी एक साथ बड़े लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कुलपति ने कहा कि सभी शिक्षकों को एनआईआरएफ रैंकिंग में विश्वविद्यालय को 100 के भीतर स्थान दिलाने के लिए संकल्पबद्ध होना है। इस मौके पर राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर आयोजित काव्य पाठ और भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

17 वां स्थापना दिवस मनाया गया पुनर्वास विश्वविद्यालय का

20 खिलाड़ी पुरस्कृत

समारोह में राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया। अबू हुबैदा, रूचि त्रिवेदी, मनदीप कौर, स्वाति, रति मिश्रा, शशांक कुमार, सर्वेश आदि को सम्मानित किया।

शकुंतला विश्वविद्यालय में गुरुवार को स्थापना दिवस पर सम्मानित हुए विद्यार्थी।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

On foundation day, chorus for 'special status' to DSMNRU

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Dr Shakuntala Misra National Rehabilitation University (DSMNRU) should get a special status from the govt for exemplary work towards the special people.

The suggestion was given by Dr Sharanjit Kaur, president of the Rehabilitation Council of India.

Kaur was speaking at the foundation day event on Thursday.

"University teachers put in a lot of effort to teach and connect with specially abled students; hence their service conditions should not be the same as those of teachers in other universities," she said.

The university, which is recognised for academic excellence, research contributions, and potential to provide quality education, is accorded a special status.

She said DSMNRU is not just confined to mentoring its own students but can mentor specially abled students from all parts of the world.

"Our teachers really work hard. For example, teachers in other universities supervise more than one PhD, but our teachers devote their full attention to supporting a specially abled student

Dr Sharanjit Kaur felicitates a student on the occasion

conducting research without bothering about their personal academic scores/academic performance index," said prof Sanjay Singh, DSMNRU, vice-chancellor.

"Unless we can feel the pain of the disabled, we cannot work for them. I also close my eyes and walk with them; I also turn off the sound of the television to understand the silent scenes. It is when I understood how much pain they have to go through, and the same exercise our teachers carry out to give the best education to them," he said. Singh said that DSMNRU aims to be a centre for excellence in the field of disability (Centre for Excellence in Research and Development for Rehabilitation)

Film screened

Chandu Champion, a biographical sports drama film based on the life of Murlikant Petkar, India's first Paralympic gold medallist, was screened for students in the university's auditorium. Around 2,000 students saw the movie.

not only in India but in the entire world.

The celebrations culminated with cultural programmes, including song, music, and dance presentations prepared by specially abled students.

The students/players who performed well at the national, international, and state levels were rewarded with cash prizes.

शकुन्तला मिश्रा विवि का स्थापना दिवस मना

लखनऊ (एसएनबी)। डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि का 17 वां स्थापना दिवस समारोह गुरुवार को विवि के अटल

समावेशी समाज का सपना पूरा होते दिख रहा : शरणजीत कौर

अन्तर्राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर नाम रोशन करने वाले पुरस्कृत

सभागार में धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष शरणजीत कौर ने कहा कि यह विवि स्पेशल लोगों के लिए काम कर रहा है और समूचे विवि को स्पेशल स्टेट्स मिलना चाहिए। मेरी आंखो में समावेशी समाज का सपना था जिसे इस विवि में वह सपना पूरा होते दिख रहा है। समारोह में

समारोह का दीप जलाकर उद्घाटन करते भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डा. सरनजीत कौर, साथ में कुलपति आचार्य संजय सिंह। फोटो : एसएनबी

स्थापना दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं। फोटो : एसएनबी

उत्कृष्ट प्रदर्शन व प्रतिनिधित्व करने वालों को पुरस्कृत किया गया।

स्थापना दिवस में बतौर मुख्य अतिथि सरनजीत कौर ने कहा कि मेरी आंखो में समावेशी समाज का सपना था जिसे इस विवि में वह सपना पूरा होते दिख रहा है। समारोह में विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य का विषय है कि आज 17वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मना रहे है। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान करते हुए कहा कि सभी को मिलकर रैंकिंग में सम्मान जनक स्थान दिलाने के लिए संकल्पबद्ध होना है।

इस मौके पर अन्तराष्ट्रीय व राज्य स्तर पर प्रदर्शन करने वाले अबू हुबैदा, रूचि त्रिवेदी, मनदीप कौर, स्वाति और प्रतिनिधित्व करने वाले रति मिश्रा, शंशाक कुमार, कु. सर्वेश, संजना कुमारी, हामिद सलमानी, आफरीन बानों, कनक सिंह जादौन,, प्रेमा विश्वास को पुरस्कृत किया गया।

समारोह को विवि का अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रकोष्ठ वीके सिंह, प्रो. पी राजीव नयन आदि ने अपने विचार रखे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

डॉ. शकुंतला मिश्रा विवि के 17वें स्थापना दिवस समारोह में बोलीं भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष

'कागज़ों पर चल रहे दिव्यांगों के 400 संस्थान'

■ एनबीटी सं.,लखनऊः देश भर में लगभग 10 करोड़ दिव्यांग हैं। इनके लिए देश भर में एक हजार संस्थान रजिस्टर्ड हैं, जहां पाठ्यक्रम चलते हैं। लेकिन विडंबना ये है कि लगभग 400 संस्थान आज भी कागजों पर चल रहे हैं। वहीं दस करोड़ में महज एक करोड़ दिव्यांगों के लिए ही दिव्यांगता कार्ड (यूडीआईडी) बने हैं। बिना कार्ड के दिव्यांगों को कोई सरकारी लाभ नहीं मिलता है। मैं खुद ऐसे लोगों को जानती हूं जिनका बच्चा जवान हो जाता है लेकिन दिव्यांगता कार्ड नहीं बन पाता। ऐसे में हममें मिलकर काम करना होगा ताकि दिव्यांगों का जीवन सुगम बनाया जा सके। गुरुवार को यह बातें भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डॉ. शरणजीत कौर ने डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के 17वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान कहीं।

दिव्यांगों को पढ़ाने वाले शिक्षकों को मिले विशेष दर्जाः मुख्य अतिथि शरणजीत कौर ने कहा कि दिव्यांगों को पढ़ाना बहुत मुश्किल है। इसलिए इन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों को भी विशेष दर्जा मिलना चाहिए। हम देश में 21 दिव्यांगता पाठ्यक्रम संचालित करने के साथ संस्थानों को मान्यता भी दे रहे हैं। देश भर के शिक्षकों को दिव्यांगों के लिए कोर्स डिजाइन करने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। परिषद उन कोर्सों को मान्यता देकर देश भर में संचालित करने के लिए संबद्धता प्रदान करेगा। वीसी प्रो. संजय सिंह ने कहा कि विवि अब एनआईआरएफ रैंकिंग में जाने के लिए प्रयास करेगा।

ये हुए सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पैरा बैडमिंटन व अन्य प्रतियोगिताओं में मेडल लाने वाले अबू हुबैदा, रुचि त्रिवेदी, मनदीप कौर, स्वाति को अवॉर्ड दिया गया। वहीं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के मेडलिस्ट रति मिश्रा, शशांक कुमार, कु. सर्वेश, संजना कुमारी, हामिद सलमानी, आफरीन बनो, कनक सिंह जादौन, प्रेमा विश्वास, शयाजुद्दीन अहमद को पुरस्कृत किया गया। राज्य स्तरीय विजेताओं में ज्ञान प्रकाश, बिलाल, सोनिका देवी, ममता, अभिनय कुमार, हिमांशु भट्ट, प्रदीप कुमार वर्मा को भी सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से स्टूडेंट्स ने मोहा

स्थापना दिवस के मौके पर समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। इसमें दिव्यांगों ने भी कई प्रस्तुतियां दीं। इसमें बीए की दिव्यांग छात्रा शगुन ने जहां एक गीत सुनाया तो दृष्टिबाधित छात्राओं के समूह ने स्वागत गीत-कविताओं की प्रस्तुति दी। बीबीए के छात्रों ने लावनी नृत्य तो बीटेक के छात्रों ने शिव तांडव नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इसी कड़ी में महाभारत पर आधारित नृत्य नाटिका, महिला सशक्तिकरण पर मूक नृत्य, दिव्यांगों की ओर से लोक गीत समेत अन्य कई प्रस्तुतियां दी गईं।

प्रक्रिया की वजह से हर साल अलग

दिव्यांगों का कष्ट महसूस किए बिना उनके लिए काम कर पाना मुश्किल

पुनर्वास विश्वविद्यालय ने मनाया अपना 17वां स्थापना दिवस समारोह

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। जब तक हम दिव्यांगजनों की तकलीफ को महसूस नहीं कर सकते तब तक उनके लिए कार्य नहीं कर सकते हैं। हमारा प्रयास है कि विश्वविद्यालय की पहचान हमेशा बनी रहे। यह बात डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस पर कुलपति संजय सिंह ने कही।

वहीं मुख्य अतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डॉ. शरणजीत कौर ने कहा कि मेरी आंखों में समावेशी समाज का सपना था, मैं इस विश्वविद्यालय में वह सपना पूरा होते देख रही हूं।

प्रो. वीके सिंह ने कहा कि डेढ़ दशक पहले विशेष शिक्षा संकाय के कुछ पाठ्यक्रमों में पंजीकृत 150 विद्यार्थियों से शुरू होकर वर्तमान में इस विश्वविद्यालय में आठ संकायों, दो संस्थानों के अधीन कुल 33 विभाग संचालित हो रहे हैं।

पुनर्वास विवि के स्थापना दिवस पर छात्रा को सम्मानित करते कुलपति संजय सिंह व डॉ. शरणजीत कौर। संवाद

■ **राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय व राज्य स्तरीय खिलाड़ी सम्मानित :** विश्वविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर रहे अबू हुबैदा, रूचि त्रिवेदी, मनदीप कौर, स्वाति रति मिश्रा, शशांक कुमार, कु. सर्वेश, संजना कुमारी, हामिद सलमानी, आफरीन बनो, कनक सिंह जादौन, प्रेमा विश्वास, शयाजुद्दीन अहमद को पुरस्कृत किया गया। राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व कर रहे ज्ञान प्रकाश, बिलाल, सोनिका, ममता, अभिनय कुमार, हिमांशु भट्ट, प्रदीप कुमार वर्मा को भी पुरस्कृत किया गया।

विश्वविद्यालय सिर्फ शिक्षा का केन्द्र न हो बल्कि उसमें समावेशी का भाव हो

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का 16वां स्थापना दिवस समारोह गुरुवार को विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डॉ. शरणजीत कौर और अध्यक्षता कुलपति आचार्य संजय सिंह ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ. शरणजीत कौर ने कहा कि मेरी आंखों में समावेशी समाज का सपना था। मैं इस विश्वविद्यालय में वह सपना पूरा होते देख रही हूं। यह विश्वविद्यालय स्पेशल लोगों के लिए काम कर रहा है। इसके लिए इसके शिक्षकों और समूचे विश्वविद्यालय को स्पेशल स्टेटस मिलना चाहिए।

▸▸ डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस मनाया गया

कुलपति आचार्य संजय सिंह ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे लिए यह परम सौभाग्य का विषय है कि आज हम अपना 17वां स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मना रहे हैं। हमारा विश्वविद्यालय सिर्फ शिक्षा का केंद्र न हो बल्कि उसमें समावेशी भाव का केंद्र हो जिसके लिए यह जाना जाता है। इस विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य है संवेदना, सेवा और सहयोग। संवेदना आपको यह सिखाती है कि आप दूसरों के दर्द और कष्ट को समझें और उसे दूर करने का प्रयास करें। स्थापना दिवस समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. कौशिकी सिंह द्वारा किया गया। इस आयोजन की सांस्कृतिक प्रस्तुति में विशेष बच्चों द्वारा तैयार किये गए गीत-संगीत एवं नृत्य के कार्यक्रमों ने सबका मन मोह लिया। विश्वविद्यालय का अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर रहे अबू हुबैदा, रूचि त्रिवेदी, मनदीप कौर, स्वाति को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर आयोजित काव्य पाठ एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेताओ को भी पुरस्कृत किया गया।

स्थापना दिवस के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र-छात्राएं।